काली खाँसी (बोर्डेटेल्ला परट्यूसिस)

काली खाँसी क्या है ?

काली खाँसी एक अत्याधिक संक्रामक जिवाणुजन्य रोग है जिसकी लक्षण सुरू में 'ठण्ड की जैसा' होती है और बाद में खाँसी में बदलती है. कुछ दिनों के बाद, गंभीर खाँसी सुरू हो सकती है जिसके दौरान व्यक्ति के साँस रूक सकता है, चेहरा लाल हो सकता है, और गले में कुछ अटका जैसा हो सकता है, और संभवतः उल्टी भी हो सकती है.

कभीकभार जब व्यक्ति खाँसी के बाद साँस लेता है तो "हुप" जैसी आवाज सुनाई देता है. लेकिन आमतौर पर, छोटे बच्चे ऐसी हुप की आवाज निकालते नहीं है. काली खाँसी किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन दो बर्ष से कम उम्र के बच्चों में यह अधिक गंभीर होता है, और विशेष रूप में ३ महीने से कम उम्र के बच्चों में, जिनको खाँसी के एक दौरा के बाद साँस लेने में परेशानी हो सकती है.

यह कितने समय तक रहता है ?

यह खाँसी तिन महीने तक रह सकता है (इसीलिए इसको 100 दिन वाली खाँसी भी कहतें हैं). पूर्ण वा आंशिक रूपमें टिके लगाए लोगों में भी काली खाँसी का विकास हो सकता है, हालांकि आम तौर पर उनके लिए बिमारी सामान्य होती है.

यह बिमारी कैसे लग जाता है ?

काली खाँसी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बहुत ही आसानी से फैल जाने वाला संक्रामक रोग है. यह खाँसी के माध्यम से फैलता है और बीमार व्यक्ति के संपर्क में आने के 6-20 दिन (आमतौर पर 9-10 दिन) बाद विकसित होता है.

सङ्क्रमित व्यक्ति के फेफड़ों के स्राव, या खाँसने या छींकने के द्वारा उत्पन्न छीटों के माध्यम से काली खाँसी फैलता है. पहला लक्षण के सुरुआत से 3-4 हप्ते तक रोगी व्यक्ति संक्रामक रहता है.

इसे कैसे उपचार किया जता है ?

यदि आपको लगता है की आप या आपके बच्चे को काली खाँसी हो गया है तो अपने परिवार के डाक्टर (जी.पी.) को दिखाईये. आपकी जी.पी. जाँच और परीक्षण करेंगे और जरूरत है तो एक विशेष एन्टिबायोटिक द्वारा इलाज करेंगे. एंटीबायोटिक्स संक्रामक अवधि छोटा और लक्षणों को कम कर सकते हैं.

अन्य व्यक्तियों, खास करके एक साल से कम उम्र के बच्चे और अंतिम चरण के गर्भवती महिलाओं से दूर रखिए.

इनफ्लुएंजा टीकाकरण

जब आप 14-दिन की एंटीबायोटिक कोर्स सुरू करतें हैं, कमसेकम इसके पहले 5 दिन काममे, सार्वजनिक समारोहों में, स्कूलोंमें या प्री-स्कूलोंमें से दूर रहें.

अगर एंटीबायोटिक नहीं लिया है तो, संक्रमित व्यक्ति को, खाँसी सुरु होने से 21 दिन तक, दूसरों से दूर रखाना चाहिए.

अक्सर खाँसी प्री-स्कूल जाने वालों के लिए चिंताजनक होती है, लेकिन विस्तर में रहकर आराम करने से, प्रचुर मात्रा में पेय लेने और नरम भोजन करने से, इसके प्रवंधन में सहायक होता है और खाँसी को कम कर सकता है. अपने चिकित्सक के साथ संपर्क में रहिए, खासकर अगर बीमारी बनी रहती है तो.

फैलने से कैसे रोका सकता है ?

इस रोगको रोकने और समुदाय में नियंत्रण करने का सबसे अच्छा तरीका सही समय में टीकाकरण कराना है.

स्थानीय चिकित्सकों द्वारा नेशनल चाइल्डहुड इम्युनाईजेसन सेड्युल के भाग के रूप में काली खाँसी की पांच मुफ़्त टिके दिए जातें हैं. अपने परिवार के चिकित्सक के साथ इस पर चर्चा करें.

टिके लगाए हुए बच्चों में भी खाली खाँसी विकास हो सकता है, लेकिन यह आम तौर पर गंभीर नहीं होता है.

रोग फ़ैलाने से रोकने के लिए **सङ्क्रमित** व्यक्तियों को कैसे इलाज किया जाता है ?

काली खाँसी से बीमार व्यक्ति के संपर्क में जो व्यक्ति आता है, कभीकभार उसको एंटीबायोटिक दिया जाता है. इसका लक्ष्य, एक बर्ष से कम उम्र वाले बच्चों, जिनमे गंभीर रोग विकास हो सकता है, उनमे इसको फ़ैलाने से रोकना है.

किसी घर वा प्री-स्कुल की किसी व्यक्ति को हाल ही मैं काली खाँसी का निदान हो गया है और वहाँ रहने वाले एक साल से कम उम्र के बच्चों में यह रोग फ़ैलाने की जोखिम है तो वह घर या प्री-स्कुल के सदस्यों को एंटीबायोटिक दवा लेने की आवश्यकता हो सकती है. जी.पी. या अस्पताल के चिकित्सक जब ऐसे मामले के बारेमा बतातें है, कम्युनिटी एण्ड पब्लिक हेल्थ इसकी व्यबस्था करता है - फोन ३६४१७७७

अगर अंतिम चरण की गर्भवती रहने वाली घर में किसी एक व्यक्ति को काली खाँसी लगे तो, नवजात बच्चे में फैलने से रोकने के लिए, उस घर में रहने वाले सभी व्यक्तियों को एंटीबायोटिक की कोर्स पूरा करना पड़ेगा.

यदि आप की कोई प्रश्न हैं, या लगता है कि परिवार के किसी सदस्य को काली खाँसी की संक्रमण हुआ है, या काली खाँसी से बिमार व्यक्ति के संपर्क में आ गए हैं, तो अपने परिवार के डॉक्टर से संपर्क करें.

पार्टनरसीप हेल्थ क्यान्टरवरी द्वारा जारी किया गया, मार्च २०१२